वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 149 | मंगलवार 26 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विवेक विहार जैन मंदिर में झांकी 'देख तमाशा लकड़ी का' भव्यता के साथ लगाई

ब्रह्मचारी पूर्णिमा दीदी के द्वारा सुगंध दशमी का महत्व बताया गया। पर्यूषण पर्व के संयोजक दीपक सेठी ने बताया कि शाम को कैलाश पर्वत की भव्य झांकी लगाई गई । झांकी के7 उद्घाटन पुण्याजक परिवार विकास अंजना काला जापान वाले परिवार की ओर से किया गया।

जयपुर. कासं

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में सुगंध दशमी के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सुगंध दशमी के अवसर पर श्री जी के अभिषेक करने के बाद मे 108 रिद्धि मत्रों के द्वारा भगवान पारसनाथ के अभिषेक किए गए। ब्रह्मचारी पूर्णिमा दीदी के द्वारा सुगंध दशमी का महत्व बताया गया। पर्यूषण पर्व के संयोजक दीपक सेठी ने बताया कि शाम को कैलाश पर्वत की भव्य झांकी लगाई गई। झांकी के 7 उद्घाटन पुण्याजक परिवार विकास अंजना काला जापान वाले परिवार की ओर से किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी ने काला परिवार के सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कैलाश पर्वत की भव्य झांकी देखने के लिए पुरुषों और महिलाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। झांकी देखने आए जैन महासभा के पवन जैन एवं उनकी टीम ने झांकी की तारीफ की और कहा की विवेक विहार की टीम हमेशा ही हर कार्य में आगे रहती है। इस मौके पर पधारे जैन महासभा के पदाधिकारीगण का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस, सचिव सुरेंद्र पाटनी ने झांकी देखने के लिए आए हुए अतिथि गण एवं सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर के सभी पधारे हुए महिला, पुरुषों एवं बच्चों का आभार जताया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष पारस छाबडा, उपाध्यक्ष अरुण रांवका, भागचंद पाटनी, सुबोध पहाड़िया, अरुण पाटनी, अमित ठोलिया, पंकज रारा, अनिल पाटनी, अशीष शाह, धर्मचंद जैन, संजय पापड़ीवाल, अनिल पराणा, जिनेंद्र छाबड़ा, संजय जैन लाडनूं, अरविंद जैन, प्रशांत सेठी, मुकेश सेठी,दीपक कासलीवाल, राजेश बधाल, नीरज ठोलिया, विकास ठोलिया, पूर्व पार्षद मोनिका जैन अंजना काला, स्वाति जैन, ललित छाबड़ा, सरिता पाटनी, मोना सेठी, शशि जैन, महिला मंडल सचिव अलका पांडया, सुनीता कासलीवाल, रौनक बगड़ा, सहित समाज के सदस्यगण उपस्थित थे।

अब सफर और आसान : लक्ष्मी मंदिर टी-जंक्शन सिग्नल फ्री, 30 मीटर चौड़ाई का कट बंद किया

जयपुर. कासं

लक्ष्मी मन्दिर तिराहे पर अंडरपास का लोकार्पण होने के बाद सोमवार को सिग्नल फ्री कर दिया। सिग्नल फ्री करने के लिए लक्ष्मी मंदिर टी-जंक्शन को 30 मीटर चौड़ाई का कट बंद कर दिया। मुख्य टोंक रोड पर यातायात व्यवस्था मिडियन के दोनों तरफ एक तरफ रहेगी। सहकार मार्ग से आने वाले वाहन जिन्हे टोंक, सांगानेर तथा दुगार्पुरा की तरफ जाना है, वे नेहरू उद्यान अंडरपास से जाएंगे। अंडरपास में वाहन संचालन वन-वे रहेगा। सांगानेर की तरफ से टोंक फाटक पुलिया से आने वाले यातायात को जिन्हें गांधी नगर रेलवे स्टेशन बजाज नगर की तरफ जाना है वह गांधी नगर मोड तिराहे से यू-टर्न करके मुख्य टोंक रोड का यूज कर गांधी नगर रेलवे स्टेशन, बजाज नगर की तरफ जाएंगे। अजमेरी गेट, रामबाग की तरफ से आने वाला यातायात, जिन्हें सहकार मार्ग की तरफ जाना है, वे वाहन चालक टोंक पुलिया अंडरपास से यू-टर्न करते टोंक रोड से सहकार मार्ग जेपी फाटक अंडरपास की तरफ जा सकेंगे। टोंक फाटक (बरकत नगर की तरफ) से बजाज नगर, जेएलएन मार्ग की तरफ जाने वाले वाहन चालकों को दाएं तरफ मुड़ना प्रतिबन्धित रहेगा। टोंक पुलिया सर्विस लेन, टोंक, सांगानेर की तरफ से आने वाले वाहनो के लिए टोंक पुलिया उतरने के बाद पुलिया के पास बायीं तरफ बरकत नगर रेलवे लेवल क्रॉसिंग की तरफ मुड़ना प्रतिबन्धित रहेगा। बाइस गोदाम से आने वाले वाहन जिन्हें जेपी फाटक अंडरपास की तरफ जाना है, उन्हें लक्ष्मी मन्दिर तिराहे पर बने यू-टर्न का उपयोग करना होगा। बजाज नगर की तरफ जाना है वह गांधी नगर मोड तिराहे से यू-टर्न करके मुख्य टोंक रोड का यूज कर गांधी नगर रेलवे स्टेशन, बजाज नगर की तरफ जाएंगे।

41 वाँ दीक्षा दिवस

आगरा

रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से

आओ करें गुरु वन्दना चले जयपुर से आगरा

स्पेशल डिलक्स एसी बसों द्वारा जयपुर की विभिन्न शहर एवं कॉलोनियों से

दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
प्रातः 5.00 बजे – जयपुर से प्रस्थान
सायं 7.30 बजे – आगरा से बापसी
सहयोग राशि : 200/- प्रति सवारी

बस पुण्यार्जक..

- श्री नन्दकिशोर जी महावीरजी प्रमोद जी पहाड़िया
- श्री उत्तम जी पाटनी
- श्री सम्पत जी संजय जी अजय जी पाण्ड्या (श्री जैन रोड़वेज)
- श्री अजय जी विजय जी संजय जी कटारिया
- श्री जम्बू कुमार जी दर्शन जी नवीन जी जैन बस्सीवाले
- श्री शैलेन्द्र जी गोधा (समाचार जगत)
- श्री मोहित जी राणा

संयोजक...
- श्री प्रदीप जी लुहाड़िया
- श्री विनोद जी छाबड़ा 'मोनू'

निवेदक :
सकल दिगम्बर जैन समाज
जयपुर

: सीट बुकिंग हेतु सम्पर्क करें :
महावीर जैन (महावीर यात्रा कम्पनी)
94147-81315 / 98299-99436
अन्तिम तिथि : दिनांक 29 सितम्बर, 2023
जे.के.जैन (केवल मानसरोवर हेतु) 94140-42294

दसलक्षण पर्व के अंतर्गत श्रद्धालुओं ने मनाया ''उत्तम तप धर्म''

मंगलवार को मनाएंगे ''उत्तम त्याग धर्म''। पतन से उत्थान की ओर बढ़ने का नाम उत्तम तप धर्म : आचार्य सौरभ सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

सोमवार को जैन मंदिरों में दसलक्षण पर्व के सातवें दिन ''उत्तम तप धर्म'' मनाया गया। इस दौरान प्रताप नगर सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य एवं पं संदीप जैन सेजल के निर्देशन में प्रातः 6.15 बजे मूलनायक शांतिनाथ भगवान का स्वर्ण एवं रजत कलशों कलशाभिषेक किया गया, इसके पश्चात भव्य वृहद शांतिधारा कर भजन, भक्ति और गीत, संगीत के साथ मंत्रोच्चारण कर अष्ट द्रव्यों के साथ दसलक्षण पर्व पूजन और उत्तम तप धर्म का पूजन किया गया। इस बीच प्रातः 8.30 बजे आचार्य सौरभ सागर महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए अपने आशीर्वचनों में कहा की कर्मों के क्षय करने के लिए साधना करना तपस्या है। मन की इच्छाओं, आकांक्षाओं को जला देना तपस्या है, विषय भोगों के प्रति उदासीन होने का नाम तपस्या है। पतन से उत्थान की ओर बढ़ने का नाम 'उत्तम तप धर्म' है। जब आत्मा में संयम का जागरण होता है तभी व्यक्ति तपस्या को अंगीकार करता है। संसार की समस्त आत्मा-परमात्मा तपस्या के अभाव में शरीर और आत्मा पृथक नहीं होती, आत्मा की उपलब्धि नहीं होती। आचार्य श्री ने 'तप' का महत्व बताते हुए कहा की घर में किया जाने वाला तप लौकिक तप है और आत्मा को लक्ष्य रखकर किया जाने वाला तप आध्यात्मिक, अलौकिक तप है। संसार शरीर भोगों से विरक्त होकर आत्मा से सम्बन्ध बनाना ही सम्यक तप है। जब पथिक मंजिल की प्राप्ति का संकल्प ले लेता है तब वह मार्ग के अवरोधों को नहीं देखता और आगे बढ़ जाता है। उसी प्रकार जो मोक्ष मंजिल को अपना लक्ष्य बना लेते है, वे उपसर्ग आदि को नहीं देखते और आगे बढ़ने लग जाते है। तपस्या अंतरंग एवं बहिरंग दो प्रकार की होती है। वर्षायोग समिति अध्यक्ष कमलेश जैन और मंत्री महेंद्र जैन ने बताया की दसलक्षण पर्व के अवसर पर संध्याकालीन में भगवान शांतिनाथ स्वामी और आचार्य सौरभ सागर महाराज की भक्ति के साथ महमंगल आरती का आयोजन किया गया, इसके उपरांत पं संदीप जैन सेजल द्वारा शास्त्र प्रवचन किए गए। रात्रि 8 बजे से समिति द्वारा ''खुल जा सिम-सिम'' पर आधारित भव्य प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके दीप प्रवज्जलान कर्ता प्रकाशचंद, सिद्धार्थ पाटनी कोटा वालो द्वारा किया गया और समाजसेवी रामगोपाल जैन पिपल्या वालों का मुख्य अतिथि स्वरूप सानिध्य प्राप्त हुआ।

मुनिभक्त चक्रेश जैन श्रावक रत्न से सम्मानित

जयपुर. कासं। बरकत नगर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मदिर में इस वर्ष निरन्तरता के क्रम में चौदहवां वर्षायोग हेतु परम पूज्य आचार्य नवीन नंदी महाराज का चातुर्मास सम्पन्न हो रहा है। इस मौके पर सोमवार को मुनिभक्त चक्रेश जैन को श्रावक रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। वर्षायोग समिति में धार्मिक एवं सांस्कृतिक संयोजक सतीश जैन अकेला ने बताया कि मंदिर प्रबध समिति तथा वर्षायोग समिति के यशस्वी अध्यक्ष चक्रेश कुमार जैन को उनके समपर्ण ' धार्मिक प्रवृति तथा मुनि भक्ति को दृष्टिगत रखते हुए पूज्य आचार्य श्री ने उन्हें श्रावक रत्न की उपाधि से विभूषित किया। स्थानीय समाज 'मंदिर प्रबध समिति ' अरिहन्त महिला मण्डल व समस्त विधानकताओं ने करतल ध्वनि से उक्त उपाधि के महिमा मंडित होने पर भाव विभोर होते हुए अनुमोदना की और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान कर चक्रेश कुमार जैन को सम्मानित किया। इस अवसर पर सामूहिक क्षमा वाणी पर्व पर पधारने के लिए राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, संयुक्त मंत्री भानू छाबडा ने पूज्य आचार्य श्री के पावन चरणो में श्रीफल अर्पित करते हुए श्रावक रत्न को शुभ कामनाए प्रेषित की।

वेद ज्ञान

पीड़ा का अंत

पीड़ा का अंत लड़ाई के समय क्रोध करने से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है और आवेश में आकर अनाप-शनाप नहीं बोलना चाहिए। किसी व्यक्ति का दुर्घटना में चेहरा विकृत हो जाता है, उसे गहरी चोट लग जाती है या अंदरूनी बीमारी शरीर में घर कर जाती है तो उसकी सर्जरी करके उसे एक नया रूप व जीवन दिया जाता है ताकि वह पहले जैसा स्वस्थ और सुंदर दिखने लगे। होता भी ऐसा ही है। इसी तरह सर्जरी हमारे मन की भी होती है। शारीरिक सर्जरी जहां डॉक्टर करते हैं, वहीं मानसिक सर्जरी मनोचिकित्सक के साथ-साथ व्यक्ति स्वयं कर सकता है। लेखक मैक्सवेल मॉल्ट्ज ने साइको साइबरनेटिक्स में लिखा है कि पुराने भावनात्मक निशानों को हटाने वाला ऑपरेशन केवल आप ही कर सकते हैं। आपको स्वयं अपना प्लास्टिक सर्जन बनना होगा। परिणाम होगा नया जीवन, नई स्फूर्ति, नई मानसिक शांति और सुख। भावनात्मक निशानों या मन की चोटों का इलाज दवाओं या डॉक्टर के माध्यम से नहीं किया जा सकता। व्यक्ति के मन में तनाव, परेशानी और मानसिक पीड़ा नासूर जख्म की तरह तड़पाती रहती है। जैसे सर्जरी के लिए उपकरणों की आवश्यकता होती है, उसी तरह मानसिक सर्जरी के लिए भी क्षमा, आत्मसम्मान, ईमानदारी, करुणा, प्रेम और आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है। ये उपकरण हर व्यक्ति के पास हैं, बस वे इनका इस्तेमाल करने में कभी-कभी देर कर देते हैं, जिससे मन का घाव बढ़ता जाता है। शरीर की सर्जरी करने के लिए कुशल डॉक्टर चाहिए, परंतु मानसिक सर्जरी के लिए कुशल डॉक्टर की नहीं, बल्कि व्यक्ति के सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। सकारात्मक दृष्टिकोण हर व्यक्ति विकसित कर सकता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही होते हैं। इसी तरह शारीरिक और मानसिक चोट भी जीवन का एक अंग है। इन्हें जीवन से नहीं निकाला जा सकता, लेकिन कम किया जा सकता है। व्यक्ति सड़क पर चलते समय दुर्घटना से सावधान रहता है, उसी तरह उसे क्रोध और लड़ाई के समय भी मानसिक दुर्घटना से सचेत रहना चाहिए और आवेश में आकर अनाप-शनाप नहीं बोलना चाहिए लड़ाई के समय क्रोध करने से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है और दिमाग की नस तक फट सकती है।

संपादकीय

कनाडा को लेकर सख्त कदम उठाने बेहद जरूरी थे...

भारत-कनाडा के बीच तल्खी में हर दिन इजाफा जहां चिंताजनक है, वहीं कनाडा का भारत विरोधी आतंकियों के प्रति जो नरम रुख है, उसके कड़े प्रतिरोध के लिए भारतीय पहल बहुत जरूरी है। कई ऐसे मौके आते हैं, जब देशहित में अप्रिय फैसलों के लिए मजबूर होना पड़ता है। मोटे तौर पर भारत के ताजा कदम के मुताबिक, कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग में अगली सूचना तक वीजा सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। वीजा संबंधी कार्य देखने वाली कंपनी बीएलएस इंटरनेशनल के अनुसार, इच्छुक वीजा आवेदकों को सलाह दी गई है कि वे इस मुद्दे पर आगे की अपडेट के लिए बीएलएस वेबसाइट देखते रहें। ध्यान रहे कि बुधवार को भारतीय नागरिकों, कनाडा में पढ़ रहे छात्रों और देश की यात्रा की योजना बना रहे लोगों को सावधानी बरतने की उचित सलाह दी गई थी। यह बहुत गंभीर बात है कि दो देशों के बीच इतना सब होने के बावजूद कुछ भारत विरोधी आतंकियों ने कनाडा में रह रहे हिंदुओं को सीधे धमकी दी है। भारत के पड़ोस से दीक्षित-प्रशिक्षित इन आतंकियों की पीठ पर कनाडा का हाथ है, तो उनकी बोली आक्रामक हो गई है। कनाडा सरकार का व्यवहार संतुलित या न्यायपूर्ण नहीं है। अपने देश में नागरिक स्वतंत्रता को बहाल करना सही है, पर अपनी धरती पर सक्रिय आतंकियों के पक्ष में खड़े हो जाना किसी अपराध से कम नहीं है। ट्रुडो सरकार को जवाब देना चाहिए कि कनाडा में जब आतंकी 'किल इंडिया' का घातक पोस्टर लगाते हैं, तब वहां के कथित उदारवादी नेता मुंह में दही क्यों जमा लेते हैं? निज्जर कोई सामान्य कनाडाई नागरिक नहीं था, वह भारत में आतंकवाद के लिए वांछित था। अनेक मामले उस पर दर्ज थे, भारत के बार-बार कहने के बावजूद उसके या अन्य आतंकियों के प्रति कनाडा का नरम रुख निंदनीय है। कहां गया वह कनाडा, जो आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की बात करता था? उसका ऐसा निंदनीय रुख प्रमाण है कि दुनिया से आतंकवादी खत्म क्यों नहीं हो रहे हैं। आश्चर्य है कि चंद आतंकियों को बचाने की कोशिश में कनाडा सरकार भारत के साथ अपने संबंधों को खराब करने में लगी है। जस्टिन ट्रुडो की सरकार नागरिक अधिकारों का पक्ष लेने के बजाय अपराधियों का पक्ष ले रही है, ऐसे में, भारत के पास कड़ा रुख अख्तियार करने के सिवा कोई गुंजाइश नहीं है। इस वीजा सेवा के बंद या निलंबित होने से कनाडा के उन नागरिकों को परेशानी होगी, जो भारत आना चाहते हैं। अगर यह सेवा लंबे समय तक बंद रही, तो दोनों देशों के बीच व्यापार भी प्रभावित होगा। तनाव मोल लेकर कनाडा को कोई लाभ नहीं है। इतिहास गवाह है कि जिन देशों ने आतंकियों को पनाह दी है, उनको बाद में इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। निश्चित रूप से चंद आतंकियों का बचाव करने के बाद कनाडा भी दबाव में है। उसने नई दिल्ली में उच्चायोग और मुंबई, चंडीगढ़, बेंगलुरु में वाणिज्य दूतावासों सहित अपने मिशनों के आसपास अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बेरोजगारी...

भारत के लिए सबसे बड़ी नीतिगत चुनौतियों में से एक रही है युवाओं और बढ़ती श्रम योग्य आबादी के लिए रोजगार की व्यवस्था करना। सन 1980 के दशक के मध्य से ही हमारी आर्थिक वृद्धि में तेजी आ रही है लेकिन रोजगार की स्थिति में कोई वांछित बदलाव नहीं आ रहा है। हालांकि कुछ पहलुओं में सुधार हुआ है। सरकार के रोजगार सर्वेक्षण और स्वतंत्र आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा किए गए अध्ययन रोजगार संबंधी नतीजों की ढांचागत खामियों को समय-समय पर रेखांकित करते रहे हैं। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की एक नई रिपोर्ट जिसमें विभिन्न स्रोतों से हासिल आंकड़ों मसलन सावधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण, उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण, आर्थिक जनगणना और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण आदि का इस्तेमाल किया गया, उसने व्यापक तौर पर रोजगार की स्थितियों का आकलन किया है। कुछ आंकड़ों और निष्कर्षों को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है लेकिन इस विषय के महत्त्व को देखते हुए जरूरत है कि इस पर निरंतर बहस जारी रहे। जैसा कि अध्ययन में रेखांकित किया गया है, बीते वर्षों में गैर कृषि क्षेत्र के रोजगार में इजाफा हुआ है। बहरहाल, हमें अच्छे वेतन वाले नियमित रोजगार हासिल नहीं हुए। सन 1983 और 2019 के बीच गैर कृषि रोजगारों की हिस्सेदारी में करीब 20 फीसदी का इजाफा हुआ। परंतु नियमित वेतन वाले रोजगार केवल तीन फीसदी ही बढ़े। संगठित क्षेत्र में यह इजाफा दो फीसदी से भी कम था। प्रभावी तरीके से देखें तो इसका अर्थ यह हुआ कि कृषि क्षेत्र से बाहर आने वाले अधिकांश लोग कम वेतन वाले और यदाकदा वाले काम करते हैं। यह बात ध्यान देने लायक है कि पुरुष जहां बहुत बड़ी तादाद में निर्माण क्षेत्र के कामकाज में लग गए, वहीं महिलाओं के कृषि क्षेत्र से अलग होने का अर्थ था उनका श्रम शक्ति से बाहर हो जाना। ग्रामीण भारत में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी 2000 के दशक के 40 फीसदी से कम होकर 28 फीसदी रह गई। महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी 2019 से बढ़ी है लेकिन उनमें से अधिकांश स्वरोजगार कर रही हैं। श्रम शक्ति में महिलाओं की कम भागीदारी का एक अर्थ यह भी है भारत की कुल श्रम भागीदारी दर कम बनी हुई है और यह समस्त वृद्धि को प्रभावित कर रहा है। श्रम शक्ति में शामिल हो रहे युवाओं और शिक्षितों के लिए रोजगार की स्थिति खासतौर पर चुनौतीपूर्ण है। अध्ययन में यह रेखांकित किया गया है कि स्नातकों के लिए बेरोजगारी की दर करीब 15 फीसदी है लेकिन युवा स्नातकों के मामले में यह बढ़कर 42 फीसदी हो जाती है। बुजुर्गों और कम शिक्षित लोगों के लिए बेरोजगारी की दर काफी कम है। यानी भारत अपने शिक्षित लोगों के लिए पर्याप्त रोजगार नहीं तैयार कर पा रहा है। यह भी संभव है कि युवा स्नातकों के पास शायद सही कौशल न हो। एक उत्साहित करने वाला निष्कर्ष है कि सभी समुदायों के लिए नहीं लेकिन फिर भी अंतर-पीढ़ीगत गतिशीलता में सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए 2004 में आम श्रमिकों में से 80 फीसदी के बेटों ने भी वही पेशा अपना लिया। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से इतर लोगों की बात करें तो 2018 तक यह अनुपात घटकर 53 फीसदी रह गया जबकि अनुसूचित जाति-जनजाति के मामले में बहुत कम गिरावट आई। वास्तविक समस्या यह है कि भारत पर्याप्त रोजगार तैयार ही नहीं कर सका। बहरहाल दिलचस्प यह है कि अध्ययन के अनुसार दीर्घावधि में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि और रोजगार तैयार करना दोनों आपस में संबद्ध नहीं हैं। अलग तरह से देखें तो बीते वर्षों की उच्च वृद्धि की तुलना में समुचित रोजगार तैयार नहीं हुए हैं और यह भी संभव है कि भविष्य की वृद्धि का भी यही नतीजा हो।

पर्यूषण पर्व : 26 सितम्बर, आठवां दिन, उत्तम त्याग धर्म पर विशेष

उत्तम त्याग: सुपात्र को दें दान, त्यागें बुरी आदत, समय का दान करना भी जरूरी

सुनील जैन, संचय ललितपुर

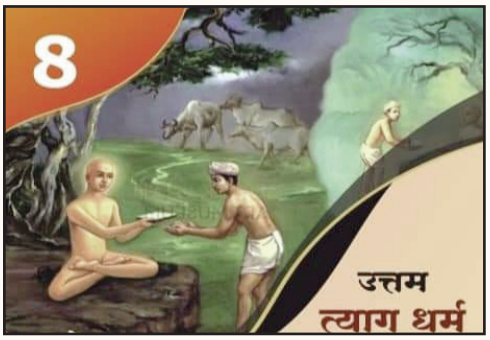

दसलक्षण महापर्व के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म की आराधना की जाती है। जो मनुष्य सम्पूर्ण पर द्रव्यों से मोह छोड़कर संसार, देह और भोगों से उदासीन रूप परिणाम रखता है उसके उत्तम त्याग धर्म होता है । सच्चा त्याग तब होता है जब मनुष्य पर द्रव्यों के प्रति होने वाले मोह , राग ,द्वेष को छोड़ देता है ।दान हमेशा स्व और पर के उपकार के लिए किया जाता है । श्रावक को स्वयं तो दान देना ही चाहिए अपने बच्चों को भी धर्म स्थल के गुल्लकों में रोज कुछ दान करने का अभ्यास करवाना चाहिए । उनके यह संस्कार उनके धर्म की वृद्धि में सहायक बनेंगे । गृहस्थ के छह आवश्यक कार्यों में दान प्रतिदिन का कर्तव्य कहा गया है। सांसारिक सुख सुविधाओं को भोगने की इच्छा न करना ही त्याग धर्म है। आवश्कता से अधिक धन संग्रह न करना जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओ के अतिरिक्त अन्य का त्याग करना अच्छे कर्मो को करना ही त्याग धर्म है। ऐसे कर्म करने से उत्तम त्याग की प्राप्ति होती है। जैन परंपरा में दान चार प्रकार का बताया गया है। उत्तम पात्र को ज्ञान, अभय, आहार, औषधि आदि दान देना चाहिए। धन की तीन गतियाँ हैं– दान, भोग और नाश। बुद्धिमत्ता इसी में है कि नष्ट होने से पहले उसे परोपकार में लगा दिया जाये। उत्तम कार्यों में दिया या लगाया हुआ धन ही सार्थक है, अन्यथा तो उसे अनर्थों की जड़ कहा गया है।आज दान के नए रूपों की भी आवश्यकता है जैसे श्रम दान , समय दान आदि । आज लोग धार्मिक कार्य के लिए पैसा जितना चाहे देने को तैयार हैं किन्तु समय और श्रम देना बहुत मुश्किल हो रहा है । इसलिए भलाई के काम में जो धन नहीं दे पा रहा है किन्तु समय दे रहा है और ईमानदारी से श्रम कर रहा है वह भी उस पुण्य का उतना ही हकदार है जितना धन देने वाला । त्याग और दान, अहंकार और बदले की भावना से नहीं करना चाहिये । त्याग के बिना मनुष्य की शोभा नहीं होती। संसार में अधिकतर लोग अपनी ताकत और पैसे का व्यय इंद्रियों के पोषण और शरीर की रक्षा में करते हैं। परंतु बिरले लोग ही त्याग धर्म को अपनाकर आत्मिक निधि प्राप्त करते हैं। भोग विलास की चीजों और क्रोध, मान, माया, लोभ का त्याग सबसे बड़ा माना गया है और महत्वपूर्ण भी ।त्याग करने से लोभ और मोह कम होता है । राग द्वेष से अपने को छुड़ाने का नाम त्याग है। त्याग और दान का सही प्रायोजन तभी सिद्ध होता है जब हम जिस चीज का त्याग कर रहे हैं या दान कर रहे हैं उसके प्रति हमारे मन में किसी प्रकार का मोह या मान सम्मान पाने का लोभ न हो। दान और त्याग में फर्क यह है की दान अपने लिये थोड़ा रख कर, थोड़ा दिया जाता है, जबकि त्याग में पूरा का पूरा छोड़ा जाता है। दान दूसरे की अपेक्षा से दिया जाता है, त्याग किसी की अपेक्षा से नहीं सिर्फ वस्तु को छोड़ा जाता है । दान प्रिय चीजों का होता है, जैसे जीवन दान, ज्ञान दान, कन्या दान आदि। त्याग अप्रिय चीजों का जैसे कमजोरियाँ, बुराईयाँ । त्याग और दान, अहंकार और बदले की भावना से नहीं करना चाहिये । आचार्यों ने कहा है कि सुपात्र को दिया दान-परम्परा से मुक्ति का कारण है। कुपात्र को दिया दान–कर्मबंध का कारण है, संसार को बढ़ाने वाला है। लेकिन वांछा से रहित दान, कर्मक्षय का कारण है। उत्तम त्याग धर्म-भव बंधन से छुड़ाने वाला, मुक्ति का सोपान है। कविवर द्यानतराय जी तो यहाँ तक कहते हैं कि बिना दान के श्रावक और साधु दोनों ही बोधि यानि रत्नत्रय को प्राप्त नहीं करते। बिन दान श्रावक साधु दोनों, लहै नाहीं बोधि को।। हम सब भी अपनी-अपनी शक्ति अनुसार दान के भावों में प्रवृत्ति करते हुये उत्तम त्याग धर्म को धारण करे और मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर हों ।

डॉ. सुनील जैन संचयः ज्ञान-कुसुम भवन,
874/1, नेशनल कान्वेंट स्कूल के पास, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

भरत के भारत चंद्रयान से चंद्रमा पर अकृत्रिम चेत्यालयों के दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी ,जनता कॉलोनी जैन सभा एवं जैन युवा महिला फेडरेशन के संयुक्त तत्वाधान में सुगंध दशमी महापर्व पर विशाल झांकी भरत के भारत में चंद्रयान से चंद्रमा पर अकृत्रिम चेत्यालयो के दर्शन की लगाई गई। झांकी को देखने के लिए उमडी भीड उपस्थित जनमानस के विचारों से ऐसा प्रतीत हो रहा था भरत के भारत में चंद्रयान से लोग चंद्रमा पर पहुंच रहे हो और साक्षात अकृत्रिम चेत्यालयो के दर्शन कर अपने आप को धन्य समझ रहे थे। पूर्व अध्यक्ष एवं समन्वयक सुधीर-मंजू गंगवाल,संयोजक विनोद-सुधा जैन एवं संदीप-रश्मि झंझरी ने बताया जयपुर के जैन समाज के साथ-साथ दिगर समाज के लोगों ने भी झांकी का अवलोकन करने के पश्चात जन मानस से ऐसा लग रहा था कि हम चंद्रयान से चंद्रमा पर पहुंच अकृत्रिम चेत्यालयो के साक्षात दर्शन कर रहे हो। जनता कॉलोनी जैन सभा के अध्यक्ष प्रकाश पापड़ीवाल, सचिव उजास जैन ने बताया झांकी का उद्घाटन समाज श्रेष्ठी राजवर्धन अभिषेक जैन द्वारा किया गया भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अशोक परनामी, जयपुर शहर पूर्व अध्यक्ष संजय जैन, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद्र जैन, कमल बाबू जैन,पी.सी छाबड़ा, परम मुनि भक्त विनोद जैन मोनू छाबड़ा,सी.एस.जैन के साथ-साथ समाज के कई गणमान्य श्रेष्ठि जनों ने झांकी का अवलोकन कर प्रदर्शन को सराहा।

आत्म कल्याण के लिए धर्म के दस लक्षण अपनाएं...

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.

धर्म जीवन का आधार माना है । जैन धर्म में दस लक्षण पर्व या पर्युषण पर्व का सर्वाधिक महत्व माना गया है जैन संस्कृति के अनुसार यह पर्व वर्ष में तीन बार भांदो, माघ, और चैत्र के महिने में शुक्ल पक्ष की पंचमी से चतुर्दशी तक 10 दिन मनाये जाते है मगर भाद्र पद माह में इस पर्व को जोरशोर से भक्ति भाव से मनाया जाता है । जैन धर्म के दिगम्बर श्वेतांबर दोनो संप्रदायों में इस पर्व को मनाने की प्राचीन परंपरा है । श्वेतांबर समाज भाद्र पद कृष्णा त्रयोंदषी से भाद्र पद शुक्ला पंचमी तक सिर्फ 8 दिन मनाते है जबकि दिगम्बर समाज में दस दिन मनाने का प्रचलन है। प्रर्युषण जैन संस्कृति का जगमगाता महापर्व है। पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव, भौतिकता की चकाचौंध में मानव धर्म साधना एवं आध्यात्मिकता से विमुख हो रहा है । त्याग और तपस्या को भूलकर निरन्तर भोग विलास में लिप्त है । जैन धर्म कहता है विभाव में लिप्त मानव को स्वभाव में लाने दस वैज्ञानिक प्रक्रियाओं का ज्ञान कराना आवश्यक है । आचार्य कुन्द कुन्द स्वामी के अनुसार उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रम्हचर्य का संकल्प पूर्वक पालन विभाव को समाप्त कर स्वभाव में व्यक्ति को आकर्षित करने की सरल विधियां है। इन दस लक्षण धर्मों को हम जानने का प्रयास करें-

(1) उत्तम क्षमा धर्म

मैं सभी जीवों को क्षमा करता हूँ, सभी जीव मुझे क्षमा करे, सब जीवों के प्रति मेरे मन में मैत्री हो किसी के प्रति भी बैर न हो । किसी से कलह न हो, अगर हो जाये तो उसका तत्काल निराकरण करें । कलह को बैर में न बदलें यही गृहस्थ की उत्तम क्षमा है ।

(2) उत्तम मार्दव धर्म

आचार्य समन्तभद्र कहते है कि हम सबके मन में आठ फन बाला एक भयंकर विषघर बैठा है जो कुल जाति, रूप ज्ञान, धन, बल, वैभव और ऐश्वर्य के अभिमान से आत्मा को जड़ता की ओर आकर्षित करता है । इन आठ मद के अधीन हो मनुष्य अपना सर्वस्व खो रहा है । मार्दव धर्म इनसे बचने की हमें प्रेरणा देता है इन पर अभिमान करना अज्ञान है ।

(3) उत्तम आर्जव धर्म

मदिरा का पात्र सौ बार अग्नि में तपाने पर भी शुद्ध नहीं होता है । अतएव कुटिलता, मायाचारी और कपट पूर्ण व्यवहार से बचने की प्रेरणा आर्जव धर्म हमे देता है । आर्जव धर्म कहता है सरलता और सदाचार को अपने जीवन का आदर्श बनाकर चलें । तभी आत्म कल्याण होंगा । दूसरों को ठगने वाला कभी सुखी नहीं हो सकता ।

(4) उत्तम शौच धर्म -

अपेक्षा है धन की आवश्यकता और अनिवार्यता के अन्तर को समझने की । धन जीवन का साध्य नही है । धन को जीवन निर्वाह का साधन मानकर चलना चाहिये। मुनि प्रमाण सार जी कहते है जीवन निर्वाह के लिये आवश्यक धन का संचय करो, पर उसे आसक्ति के रूप में मत लो यह उत्तम शौच धर्म है ।

(5) उत्तम सत्य धर्म-

सत्य का शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता। सत्य को परमेश्वर कहा है। हम सत्य का अनुभव कर सकते है, उसका साक्षात्कार कर सकते है । सत्य की उपलब्धि ही परमात्मा की उपलब्धि है । यही उत्तम सत्य धर्म है ।

(6) उत्तम संयम धर्म-

मन पर विजय पाना, विपरीत मार्ग की ओर बढ़ रही मन की प्रवृतियों को मोड़कर उन्हे सन्मार्ग की आरे ले जाने की प्रेरणा उत्तम संयम धर्म हमे देता है । विषयों की ओर आसक्ति, वासना, कषाय आदि के त्याग की प्रेरणा हमें उत्तम संयम धर्म देता है ।

(7) उत्तम तप धर्म-

आत्मा की अभिव्यक्ति ही परमात्मा की उपलब्धि है । स्वर्ण पाषाण को अग्नि में तपाया जाता है तो उसकी कालिमा गलाकर स्वर्ण का शुद्ध रूप निखर जाता है ! वह हमारे गले का हार बन जाता है । इसी प्रकार जो व्यक्ति तप अनुष्ठान करता है उसकी आत्मा कुन्दन बन जाती है यही उत्तम तप धर्म है ।

(8) उत्तम त्याग धर्म-

धन ही जिनके जीवन का एक मात्र लक्ष्य है वे सारे जीवन धन संग्रह करते रहते है । और जीवन के अन्त में सब कुछ यही छोड़कर चले जाते है । व्यक्ति कितना ही धनवान हो यदि वह अपनी सम्पत्ति का सद्उपयोग करना नही जानता, उससे अभागा कोई नही है। कंजूसी कंगाली की पहचान है । उत्तम त्याग धर्म हमे दान देने की प्रेरणा देता है । हमे जीवन में दान करने की आदत डालना चाहिये ।

(9) उत्तम आकिन्चन्य धर्म

जब तक मन पर क्रोध, लोभ, मोह के पत्रो का बोझ है तब तक आत्म कल्याण की चेतना जागृत नहीं होगी । उक्त चेतना को जाग्रत करने बाहर एवम् अन्दर से हल्का होना जरूरी है । इसी का नाम ही आकिन्चन्य अर्थात उत्तम आकिन्चन्य धर्म है ।

(10) उत्तम ब्रम्हचर्य धर्म

विश्व के समस्त धर्मो में ब्रम्हचर्य को एक पावन और पवित्र धर्म माना गया है । यह समस्त साधनाओं का मूल आधार है। ब्रम्हचर्य को अपनाये बिना आत्मा की उपलब्धि असंभव है। ब्रम्ह का अर्थ है आत्मा, आत्मा की उपलब्धि के लिये किये जाने बाला आचरण ब्रम्हचर्य है ब्रम्हचार का अर्थ है ब्रम्ह यानि ईश्वर के बताये अनुसार आचरण करने वाला और भ्रमचारी का अर्थ है भ्रम में जीने बाला भ्रम टूटे बिना ब्रम्ह को पाना संभव नहीं है। यही उत्तम ब्रम्हचर्य है ।

नोट लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवम भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं।

दिगंबर जैन तीर्थ अयोध्या में गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माताजी के सानिध्य में होगा दिगंबर जैन सर्वजातीय सम्मेलन

इंदौर. शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय दिगंबर जैन सर्वजातीय महासंघ के तत्वावधान में 27 अक्टूबर 2023 को भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगंबर जैन तीर्थ(बड़ी मूर्ति) अयोध्या उत्तर प्रदेश में दिगंबर जैन समाज की समस्त उपजातियां का सम्मेलन गणिनी प्रमुख वंदनीय आर्यिका ज्ञानमती माताजी ससंघ के सानिध्य में होगा जिसमें दिगंबर जैन धर्म को मानने वाली समस्त उपजातियां अग्रवाल, खंडेलवाल, बघेरवाल, सैतवाल, पल्लीवाल, पोरवाड़, परवार, नरसिंगपुरा,हूमड़, खरौआ, समैया,गोलालारे, गोल सिंघाड़े, चित्तौड़ा, कठनेरा, लमेचू आदि जितनी भी वर्तमान में दिगंबर जैन समाज की उपजातियां उपलब्ध हैं उन सभी के प्रतिनिधि और उनके संगठनों के पदाधिकारी सम्मेलन में सम्मिलित होकर विचार विमर्श करेंगे। ज्ञातव्य है कि दिगंबर जैन धर्म में अनादिकाल से 84 उपजातियां उल्लेखित हैं। यह जानकारी महासंघ के अध्यक्ष कर्मयोगी पीठाधीश स्वस्ति रविंद्र कीर्ति एवं महामंत्री हंसमुख

गांधी (इंदौर) ने दी एवं सम्मेलन किए जाने का उद्देश्य बताते हुए कहा कि सामाजिक एकता एवं संगठनों की मजबूती पर विचार विमर्श करना एवं विभिन्न संगठनों द्वारा किए जा रहे कार्य कलापों और गतिविधियों से परस्पर में परिचित होकर उन्हें प्रोत्साहित करना है। गांधी ने बताया कि सम्मेलन की सभी तैयारियां एवं प्रतिनिधियों के आवास एवं भोजन आदि की व्यवस्था अयोध्या तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा की जाएगी। सम्मेलन में काफी संख्या में इंदौर सहित देश के विभिन्न भागों से उपजातियां के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों ने सम्मिलित होने की स्वीकृति प्रदान की है। आर्यिका ज्ञानमती माताजी का 90 वां अवतरण दिवस ज्ञानांजलि महोत्सव के रूप में मनेगा सर्वजातीय सम्मेलन के दूसरे दिन 28 अक्टूबर शरद पूर्णिमा को भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगंबर जैन तीर्थ अयोध्या में ही चातुर्मास कर रहीं देश में दिगंबर जैन समाज की सबसे वरिष्ठ एवं बड़ी माताजी के नाम से प्रसिद्ध गणिनी प्रमुख वंदनीय आर्यिका ज्ञानमती माताजी की 90 वे जन्म जयंती (शरद पूर्णिमा) एवं 72 वे संयम दिवस (दीक्षा दिवस) को ज्ञानांजलि महोत्सव के रूप में अयोध्या में मनाया जाएगा। प्रचार प्रवक्ता राजेश जैन दद्दू ने बताया कि महोत्सव में देशभर से माता जी के अनुयाई एवं श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होकर माताजी से आशीर्वाद प्राप्त कर विन्यांजलि प्रस्तुत करेंगे। यह भी एक संयोग है कि दिगंबर जैन समाज के सबसे ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ श्रमण संस्कृति के महामहिम संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का अवतरण भी शरद पूर्णिमा के दिन ही हुआ था।

आर के पुरम जैन मंदिर में दस लक्षण विधान में बह रही है भक्ति की बयार

कोटा. शाबाश इंडिया। जंगल वाले बाबा मुनि श्री चिन्मय सागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा से निर्मित आर. के. पुरम स्थित मुनिसुव्रत नाथ दिगंबर जैन त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर में संस्कार धनी जबलपुर से पधारे पंडित राजेश जी शास्त्री के सानिध्य में दस लक्षण विधान मंडल हर्षोल्लास के मंगलमय वातावरण में चल रहा है। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर जैन, महामंत्री पवन पाटोदी, कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने बताया कि प्रातः काल 6 .45 पर प्रतिदिन नित्य अभिषेक शांति धारा तत्पशात दस लक्षण विधान बूंदी से पधारे संगीतकार आयुष जैन एंड पार्टी के द्वारा संगीत की सुमधुर ध्वनियो में कराया जा रहा है। इन्द्र इंद्राणीया भक्ति रस में डूब डूब कर आनंद ले रहे है। तत्वार्थ सूत्र का वाचन भी किया जाता है। इस अवसर पर शांतिनाथ महा मंडल विधान भी किया गया। श्रीमति समिता जैन धर्मपत्नी विनोद जैन टोरडी के पंच मेरु के पाच उपवास होने पर शोभा यात्रा निकाली गई। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवम मंदिर समिति के प्रचार प्रसार मंत्री पारस जैन पार्श्वमणि ने जानकारी देते हुवे बताया कि दस लक्षण पर्व पर पूरे मंदिर को खूब सजाया गया।सजावट देखते ही मन बाग बाग हो जाता हैं। सायकालीन मंगल दीपकों के माध्यम से भव्य आरती देखते ही बनती है। 48 मंगल दीपकों के संगीत के माध्यम से भक्तामर आराधना की जाती है। पंडित जी राजेश शास्त्री द्वारा जैन धर्म दर्शन के गुड रहस्यों को बड़ी सरल सहज भाषा में समझाया जा रहा है।जिसको सुनकर श्रद्धालु गण भाव विभोर हो रहे हैं।मूलनायक भगवान पर प्रथम अभिषेक महावीर सरवाडिया, ज्ञानचंद जैन खजूरी वाले, मूल नायक भगवान पर शांतिधारा विनय ,प्रवीण सेठिया एवम संतोष वैभव दमोह वाले, भगवान पारसनाथ पर प्रथमाभिषेक चंद्रेश जैन हरसौरा परिवारजन एवं शांतिधारा महेश जैन एवम विवेक बंटी ने करने का सौभाग्य प्राप्त किया।इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के महामंत्री विनोद जैन टोरडी एस. के. जैन, जज रूप चंद जैन, अमोलक चंद जैन अंकित जैन मनीष जैन हरक चंद गोधा उपस्थित थे।

दस लक्षण महापर्व पर चौमू मंदिर में उत्तम तप धर्म की पूजन की गई

चौमू. शाबाश इंडिया। चौमू शहर में चंद्रप्रभु शांतिनाथ पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी में जैन समाज द्वारा दस लक्षण महापर्व के सप्तम दिवस पर प्रातः कालीन अभिषेक शांति धारा एवं उत्तम तप धर्म की पूजन की गई जैन समाज प्रवक्ता पंकज बडजात्या ने बताया कि आज के अभिषेक शांति धारा का सौभाग्य नेमीचंद पीयूष कुमार जैन को प्राप्त हुआ। जैन समाज प्रवक्ता पंकज बडजात्या ने बताया कि उत्तम तप धर्म यह बताता है कि तप के बिना ज्ञान भी अधुरा है और ज्ञान के बिना तप तपस्या के बिना कुछ भी पाना संभव नहीं है तप को पाने के लिए इच्छा खत्म करनी पड़ती है तप की शक्ति केवल मनुष्य के पास ही होती है इसके लिए तो देव इंद्र भी तरसते हैं जो इच्छाओं को रोक सके वही तप कहलाता है । संयोजक नितेश पहाड़िया के सानिध्य में आयोजकों द्वारा महा आरती णमोकार भजन नाटिका नृत्य इत्यादि कार्यक्रम संपन्न हुए। हीरालाल जैन ने बताया इन सभी कार्यक्रम के दौरान शेफाली देवी, सुशीला देवी,सुमन देवी,रितु देवी, अंतिम देवी, प्रियंका जैन, एकता जैन, विनीता पहाड़िया, सुनीता जैन, मीना देवी, चंदा देवी, जैन समाज उपाध्यक्ष प्रमोद जैन, जयकुमार जैन, जैन समाज अध्यक्ष राजेंद्र जैन, नरेश पहाड़िया, मुकेश पाटनी, नेमीचंद जैन, अजय जैन पदमचंद जैन विनोद कासलीवाल इत्यादि श्रावक मौजूद थे ।

श्री महावीर कॉलेज में राजस्थान विश्वविद्यालय के 'नए सेमेस्टर पैटर्न' पर कार्यशाला का आयोजन 27 सितंबर को

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के संघटक तथा संबद्ध कॉलेजेस के शिक्षकों को नए सिलेबस के पैटर्न तथा इंप्लेमेंटेशन से अवगत कराने हेतु श्री महावीर कॉलेज जयपुर द्वारा बुधवार दिनांक 27th सितंबर 2023 को महावीर सभागार में 'New Curriculum Framework by University of Rajasthan as per NEP 2020' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा हैं। कार्यशाला के मुख्य वक्ता Prof. G.P. Singh, Nodal officer NEP 2020, Dr .M.L. Vasita तथा Dr. C.P. Singh committee members NEP 2020, University of Rajasthan होंगे। यह एक इंटरएक्टिव सत्र होगा जिसमे स्पीकर्स राजस्थान विश्वविद्यालय के नए पाठयक्रम, नए सेमेस्टर पैटर्न व नई परीक्षा प्रणाली से संबंधित प्रश्नों व जिज्ञासाओं का समाधान करेंगे। इस वर्कशॉप में राजस्थान विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय,राजकीय महाविद्यालय एवं निजी महाविद्यालय के शिक्षक भाग लेंगे, इस वर्कशॉप में पंजीकरण निःशुल्क है।

सजीव झांकी सजाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

23 सितंबर सुगंध दशमी महापर्व के उत्सव पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, महात्मा गांधी नगर, डीसीएम , अजमेर रोड पर श्री पारस युवा मंडल, महिला मंडल, एवं प्रबंध समिति की तरफ से एक सजीव झांकी सजाई गई। झांकी का मुख्य विषय ''जैन धर्म पर उपसर्ग'' था। आज वर्तमान में जैन धर्म पर कई प्रकार के उपसर्ग आ रहे हैं जिसमें साधु संतों की सुरक्षा एवं जैन तीर्थ स्थानो पर अतिक्रमण एवं जैन धर्म के मुख्य संलेखना के बारे में विस्तृत रूप से झांकी के रूप में सजीव चित्रण किया गया। झांकी में श्री सम्मेद शिखरजी क्षेत्र, श्री गिरनार जी तीर्थ क्षेत्र, श्री बाहुबली जी तीर्थ क्षेत्र की झांकी भी मुख्य आकर्षण का केंद्र थी। सजीव झांकी में मंदिर समाज की पाठशाला के छोटे-छोटे बच्चों ने बहुत ही जीवंत अभिनय करके सभी का मन मोह लिया छोटे-छोटे बच्चे इस झांकी में सजीव चित्रण के रूप में बहुत ही सुंदर लग रहे थे और बहुत ही मार्मिक दृश्य माता जी का, साधु-संतों का प्रस्तुत कर रहे थे। झांकी के मुख्य पुण्यार्जक एवं उद्घाटनकर्ता समाजसेवी भामाशाह प्रकाश चंद अजमेरा चितावा वाले थे। प्रकाश चंद - लीला जैन ने परिवार सहित उपस्थित होकर झांकी का उद्घाटन किया एवं दीप प्रज्वलन किया। राजस्थान जैन सभा ,जैन युवा मंच, जैन एकता मंच, वीर सेवक मंडल, वह जयपुर स्थित सभी दिगंबर जैन मंदिर के समाज जनों ने परिवारजनों ने अपने परिवार सहित झांकी का अवलोकन किया तथा झांकी की बहुत प्रशंसा की। सभी ने एक ही स्वर में यह बात कही कि आज झांकी में आपने वर्तमान के ज्वलंत विषय को उठाकर बहुत ही सुंदर चित्रण पेश किया और वर्तमान में जो जैन धर्म के उपसर्ग आए हैं उन सभी को बहुत ही सुंदरता के साथ यहां पर सजीव झांकी के रूप में प्रस्तुत किया।

उपसर्ग विजेता तीर्थंकर पार्श्व नाथ की भव्य सजीव झांकी लगाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला जागृति संघ की तरफ से बड़े दीवान जी के मन्दिर प्रांगण में दशलक्षण महापर्व के सुगन्ध दशमी पर्व पर ''उपसर्ग विजेता तीर्थंकर पार्श्व नाथ'' की भव्य सजीव झांकी लगाई गई । जिसमें दिखाया गया किस तरह से भगवान पार्श्वनाथ ने उपसर्ग सहे और तीर्थंकर बने । संस्था की अध्यक्षा श्रीमती शशी जैन व मंत्री सरोज जैन (बेला) ने बताया कि झाकी के संयोजन में राजेंद्र शर्मा सर, शशि खिन्दूका,अनिला, अंजु, निर्मला , शारदा ,रुबी का भी पूर्ण सहयोग रहा व झांकी का उद्घाटन श्रीमती आशा गर्ग ने और दीप प्रज्वलन श्रीमती संगीता गंगवाल ने किया और इसमें मुख्य अतिथि सुधा लुहाडिया, दीपिका बाकलीवाल व साधना काला रही।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

शहर के 225 से अधिक दिगम्बर जैन मन्दिरों मे हो रहे आयोजन

दशलक्षण महापर्व का सातवां दिन, उत्तम तप सब मांहि बखाना... वीतराग धर्म का उत्तम तप लक्षण मनाया। मंगलवार को मनाया जाएगा वीतराग धर्म का उत्तम त्याग लक्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने दशलक्षण महापर्व में सातवे दिन सोमवार को वीतराग धर्म का उत्तम तप लक्षण भक्ति भाव से मनाया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठे। इससे पूर्व दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म में उत्तम तप लक्षण की विधान मंडल पर अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि उत्तम तप लक्षण पर प्रवचन देते हुए संतों एवं विद्वानों ने कहा कि " तप चाहै सुरराय, करम शिखर को वज्र है। द्वादशविधि सुखदाय, क्यो ने करै निज सकति सम।। उत्तम तप सबमाँहि बखाना, करम शैल को वज्र समाना। बस्यो अनादिनिगोद मॅझारा, भू विकलत्रयपशु तन धारा।। " अर्थात समस्त रागादि परभावों की इच्छा के त्याग द्वारा स्वरुप में प्रतपन करना-विजयन करना तप है। आत्मलीनता द्वारा विकारों पर विजय प्राप्त करना तप है। तप शरीर के सुखाने का नाम नहीं है, इच्छाओं के विरोध का नाम है।

जवाहर नगर जैन मंदिर में भव्य झांकी लगी

साक्षात मांगीतुंगी के दर्शन हुए साकार

जयपुर. शाबाश इंडिया

जवाहर नगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सुगंध दशमी के अवसर पर तीर्थ क्षेत्र मांगी तुंगी की शानदार झांकी का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए मंदिर अध्यक्ष महेंद्र बक्शी और सचिव अजय गोधा ने बताया कि झांकी का शुभारंभ टीकम चंद -चंद्रकांता गोधा, श्रीमती प्रकाश देवी, विनोद तिजारिया, श्रीमती गेंदीदेवी, संगीता देवी और पहाड़िया परिवार के द्वारा किया गया। युवा मंडल अध्यक्ष प्रदीप पहाड़िया और संजय मालपुरा ने अतिथियों का स्वागत किया। संयोजन चिराग जैन, विजय पाटोदी और नवीन बड़जात्या ने किया। समाज जनों में झांकी को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला ।

भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाण महोत्सव श्योपुर का चन्द्र प्रभू मंदिर

भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाण महोत्सव श्योपुर का चन्द्र प्रभू मंदिर

सुगन्ध दशमी पर 27 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में सजी जैन दर्शन को दर्शाती संदेशात्मक एवं ज्ञानवर्धक झांकियां

मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। राजस्थान जैन युवा महासभा करेगी पुरस्कृत

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुगन्ध दशमी के मौके पर रविवार को शहर के 27 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में जैन दर्शन, जैन तीर्थंकरों के जीवन चरित्र पर आधारित ज्ञान वर्धक तथा संदेशात्मक झांकियां सजाई गई । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर द्वारा सभी झांकियों का अवलोकन किया गया। युवा महासभा द्वारा सभी झाकियो को नवम्बर माह में समारोह आयोजित कर जोनवार एवं सम्भागवार पुरस्कृत किया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि रविवार ,24 सितम्बर को सुगन्ध दशमी के मौके पर मंदिरों में श्रद्धालुगणों द्वारा मंदिरों में अष्ट कर्म के नाश करने के लिए अग्नि पर धूप खेई गई ।मंदिरों पर बिजली की विशेष सजावट की गई। देर रात्रि तक दिगम्बर जैन मंदिरों के बाहर भीड जुटी रही। युवा महासभा के सिटी सम्भाग चार दीवारी में मनिहारो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर बडा दीवान जी में महिला जागृति संघ द्वारा 'उपसर्ग विजेता तीर्थंकर पार्श्वनाथ ', घिनोई जैन मंदिर में इण्डिया से भारत की

ओर, मोहनबाडी के आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में तीर्थ बचाओ -धर्म बचाओ झांकी सजाई गई। जवाहर नगर - मालवीय नगर सम्भाग में सिद्धार्थ नगर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर स्वामी (खण्डाकान) में 'सिद्क्षेत्र मांगीतुंगी' , मालवीय नगर सेक्टर 10 दिगम्बर जैन मंदिर में यक्ष रक्षित चैत्यालय,जय जवान कालोनी के दिगम्बर जैन मंदिर में जैन रामायण, बापूनगर के गणेश मार्ग स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय में 'भरत का भारत,' ज्ञान तीर्थ टोडरमल स्मारक ट्रस्ट में 'षट लेश्या', जवाहर नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 'सिद्ध क्षेत्र मांगीतुंगी',आदर्श नगर के मुल्तान दिगम्बर जैन मंदिर में 'चालो रे पावापुरी चालो' तथा जनता कालोनी जैन मंदिर में 'चन्द्रमा पर अकृत्रिम चैत्यालय के चन्द्र यान के दर्शन' की झाकी सजाई गई। मानसरोवर -टोंक रोड सम्भाग में मुहाना मण्डी रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर केसर चौराहा जय नगर में 'देख तमाशा लकड़ी का', एस एफ एस स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान महावीर की समवशरण सभा, अग्रवाल फार्म के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कांच वाला थडी मार्केट में आत्मा से परमात्मा की ओर', राधानिकुंज के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 'द्रोणागिरी' सिद्ध क्षेत्र की सजीव झांकी तथा मांगलियावास के मंदिर में अतिशय क्षेत्र गोलाकोट ' की झांकी सजाई गई। झोटवाडा सम्भाग में , झोटवाड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 'कर्म की विचित्रता', पटेल नगर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में महायात्रा निगोद से सिद्धालय की ओर " , विवेक विहार के मंदिर में भगवान आदिनाथ की मोक्ष स्थली कैलाश मानसरोवर पर्वत, पार्श्वनाथ कालोनी में नेमी-राजुल का वैराग्य ' , डीसीएम अजमेर रोड पर 'जैन धर्म पर उपसर्ग 'की झांकी सजाई गई ।

जैन पाठशाला जनकपुरी द्वारा प्रस्तुत नाटकः कर्म का मायाजाल

पाठशाला के विद्यार्थियों ने सहज अभिनय द्वारा समझाया अष्ट कर्मों के दहन का उपाय

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में जैन पाठशाला के छोटे बड़े विद्यार्थियों ने दसलक्षण पर्व में सोमवार को एक शिक्षाप्रद नाटक ''कर्म का मायाजाल'' का आर्यिका विशेष मति माताजी के आशीर्वाद के साथ बहुत ही सुन्दर मंचन किया । पाठशाला के मुख्य संयोजक पदम जैन बिलाला ने बताया कि जैन दर्शन के अनुसार ज्ञानावरण, दर्शनावरण, वेदनीय, मोहनीय, आयु, नाम, गोत्र और अंतराय इन आठ कर्मों की मूल प्रकृतियाँ - स्वभाव हैं। ज्ञानावरण, दर्शनावरण, मोहनीय और अंतराय ये चार कर्म घातिया कहलाते हैं तथा आयु, नाम, गोत्र और वेदनीय ये चार अघातिया कहलाते हैं। इन आठों कर्म को साधारण वार्तालाप और सहज अभिनय के माध्यम से छात्रों ने समझाकर उपस्थित दर्शकों को प्रस्तुति से बांधे रखा । संयोजक सुरेश शाह व राजेंद्र ठोलिया के अनुसार चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन की मंगल क्रिया तथा अतिथियों के सम्मान के बाद बच्चों द्वारा नमोकार व मंगलाचरण किया गया । श्रीमती किरण जैन के निदेशन में कर्म का मायाजाल नाटक की प्रस्तुति में एक एक कर्म को पात्रों द्वारा क्रम से समझाया गया। शिक्षिकाओं के भक्ति गीत तथा सभी को आभार के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कमलेश पाटनी , विकास साखूनियाँ, संजय पाटनी, निशी जैन सहित समाज के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

सुगंध दशमी के अवसर पर तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ की भव्य सजीव झांकी लगाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर मोहन बड़ी में सुगंध दशमी के अवसर पर तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ की भव्य सजीव झांकी लगाई गई। झांकी में दीप प्रज्वलनकर्ता श्रीमती अनूप देवी, शिखा चंद, कुसुम देवी ने किया। उद्घाटन मनोरमा देवी, सुनील, पारस पाटनी ने किया। चित्र अनावरण श्रीमती कमला देवी, दीपक, पायल परिवार किया। झांकी में समाज के काफी तादाद में श्रेष्ठजन पधारे व दर्शनार्थियों की संख्या लगभग 3000 से अधिक रही। जयपुर की हर जगह से दर्शनार्थी पधारे और सभी ने इस ऐतिहासिक शानदार झांकी की सराहना की। विधायक रफीक खान, श्रेष्ठजन राजकुमार कोठारी, कमल बाबू जैन, नीरज गंगवाल, प्रदीप गोधा, चूलगिरी यात्रा संघ, प्रशासनिक अधिकारीगण, तहसीलदार प्रदीप जैन, संजय जैन जेएसजी, संजय काला संदीप काला उपस्थित रहे। झांकी प्रबंधन समिति, अरिहंत युवा मंडल व सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में लगायी गई था।

दुर्गापुरा जैन मंदिर में उत्तम तप धर्म की पूजा हुई, सायंकाल कवि सम्मेलन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा, जयपुर में दशलक्षण महापर्व में दिनांक 25 सितंबर 2023 सोमवार को प्रातः 6.30 बजे मूल नायक श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान जी के प्रथम अभिषेक शांतिधारा करने का पुण्यार्जन विमल कुमार जैन श्रीमती पुष्पा जैन गंगवाल परिवार ने प्राप्त किया। दश लक्षण महा मण्डल पूजा के सोधर्म इन्द्र इंद्राणी भी आप ही रहे तथा महा आरती का पुण्यार्जन अर्जुन नगर निवासी श्रीमती ललिता देवी ज्ञान चंद जैन बाकलीवाल ने प्राप्त किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि उत्तम तप धर्म की विधानाचार्य पंडित दीपक शास्त्री के मंत्रोच्चार एवं संगीतकार पवन बड़जात्या एवं पार्टी की मधुर आवाज में उत्तम तप धर्म की पूजा भक्ति भाव से श्रद्धालुओं द्वारा की गई। महाआरती के पश्चात उत्तम तप धर्म पर श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की गरिमा व रीतिका जैन बालिकाओं ने प्रवचन किए। ट्रस्ट की सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती रेखा पाटनी एवं श्रीमती ऋतु चांदवाड़ ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को होगा। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया एवं मंत्री श्रीमती रानी सोगानी ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में सोमवार को कवि सम्मेलन की बहुत ही अच्छी प्रस्तुति हुई।

जैन समाज गौरव सुधांशु कासलीवाल के 76वें जन्मदिन पर जरूरतमंदों को राशन किट एवं भोजन का किया वितरण

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल के 76 वें जन्मदिन के उपलक्ष में जरूरतमंद परिवारों को 76 राशन किट, भोजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के कार्यकताओं ने बताया कि जन्मदिन के अवसर पर सुबह कृष्णाबाई माताजी मंदिर के बाहर जरूरतमंद परिवारों को खाने के पैकेट एवं सुखी रसद सामग्री का वितरण किया गया। दोपहर में सार्वजनिक स्थानों पर छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पौधों में नियमित रूप से पानी भरने की एवं नियमित देखभाल की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सर्व समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सारी दुनिया हमारी दुश्मन हो जाये हम सारी दुनिया को अपना मित्र बनाये : मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर में महाआरती में झूमे शिविरार्थी

आगरा. शाबाश इंडिया

सारी दुनिया भले ही हमारी दुश्मन हो जावे हम सारी दुनिया को अपना मित्र बनाये तो कोई बात है । भारत कोई भूमि के टूकड़े का नाम नहीं है भारत वो महान संस्कृति है जो यहां रहने वाले प्रत्येक भारतीय के जीवन दर्शन में दिखाई पड़ता है ।भारत एक संस्कृति है भारत एक संस्कार है संस्कृति एक अनुभूति होती है जिसे हम सभ्यता भी कहते हैं इसी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाने के लिए बढ़े बढ़े संत महात्माओं ने अपने जीवन को लगा कर इस संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा है ये हमारे दैनिक दिनचर्या में झलकना चाहिए दुनिया में कोई भी भारतीय पहुंच जाएं तो वह अपनी दैनिक क्रिया कलापों से हजारों लोगों में अलग दिखता है इसे हमको समझना होगा उक्त आश्य केउद्गार हरि पर्वत आगरा में अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर की विशाल धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

केन्द्रीय मंत्री एस पी सिंह का किया सम्मान

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आज केन्द्रीय मंत्री एस पी सिंह वघेल हरि पर्वत में चल रहे अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर की विशेष सभा में पहुंचे जहां शिविर निर्देशक हुकम काका, दिनेश गंगवाल, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, सुमन घगरा आदि से भेंट कर मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी, महामंत्री नीरज जैन जिनवाणी, कोषाध्यक्ष निर्मल कुमार मोडया ने रजत मुकुट पहनाकर पीत वस्त्र से अभिनन्दन किया ।इस दौरान इनका सम्मान कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी,नीरज जैन (जिनवाणी)महामंत्री, निर्मल कुमार जैन मोट्या कोषाध्यश, मनोज कुमार बाकलीवाल मुख्य संयोंजक, पी.एल. बैनाडा, कार्याध्यक्ष हीरालाल बैनाड़ा - स्वागतध्यक्ष, जगदीश प्रसाद जैन, - ललित जैन (डायमन्ड)अमित बाबी, राजेश जैन गया, वाई के जैन, विमल मारसंस, भोलानाथ सिंघई, जितेन्द्र कुमार जैन,

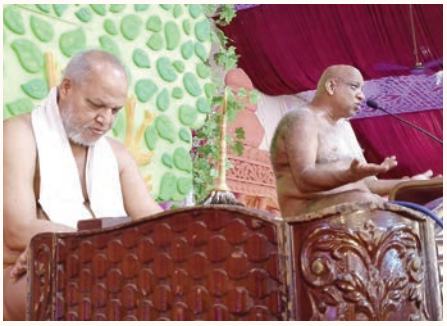

शिखर चंद सिघई ने भी सम्मान किया ।

आगरा में भारत वर्ष के सर्व श्रेष्ठ संस्कृति रक्षकों का समागम हो रहा है- पूर्व महापौर नवीन जैन

इस दौरान केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री एस पी सिंह ने कहा कि आज ताज नगरी आगरा में अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर में हजारों संत रूप शिविरार्थियों को देख मन आनंद से भर रहा आगरा से सांसद होने के नाते आप सभी का ताज नगरी में स्वागत है परम पूज्य मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के चरणों में पिछले वर्ष ललितपुर में मुझे इन तपस्वियों को देखने का सौभाग्य मिला था।इतनी बड़ी संख्या में त्याग तपस्या के साथ युवाओं का भाग लेना हमारी संस्कृति की जानकारी के बाद आकर्षण के कारण हो रहा है। जब में मध्यप्रदेश के अशोक नगर जैन समाज के बीच ही रहा थूवोनजी में आचार्य श्री के दर्शन मिलें। विजय धुर्रा और उनके मित्र ने याद किया और मैं हमारे महापौर रहें साथी नवीन जैन साहब के साथ गुरु चरणों में आ गया ।आज विश्व को भगवान महावीर के निशस्त्रीकरण सिद्धांत की जरूरत है इससे अरबो खरबो डालर की बचत होगी और पड़ोसियों को भुखमरी का सामना नहीं करना पड़ेगा । आज दुनिया विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है ऐसे में दुनिया को महावीर के निशस्त्रीकरण सिद्धांत से ही बचाया जा सकता है। इस दौरान पूर्व महापौर नवीन जैन ने कहा कि आज हमारे आगरा नगर में भारत वर्ष के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि संस्कृति और संस्कार को ग्रहण कर रहे हैं हम इनका ताज नगरी में अभिनन्दन करते हैं इस दौरान महा आरती करने का सौभाग्य चक्रेश कुमार, योगेश कुमार जैन पी एन सी, निर्मल कुमार मोडया, प्रदीप कटारिया, नीरज जैन जिनवाणी, राजेश सेठी परिवार को करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

आर्यिका रत्न105 भारतेश्वरी माताजी से अष्टानिका महापर्व के लिए आशीर्वाद लिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर जयपुर द्वारा दिगंबर जैन मंदिर बगरू में चल रहे चातुर्मास में आज आर्यिका रत्न105 भारतेश्वरी माताजी सत्संग को अष्टानिका महापर्व की स्वीकृति के लिए श्रीफल भेंट किया ' श्री वर्धमान दिगंबर जैन समिति प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी अध्यक्ष डॉ राजेश क'ल' के नेतृत्व मे सौभाग मल जैन रवि बाकलीवाल महावीर प्रसाद प'टनी सुशील पहाड़िया कमलेश चंद जैन लालचंद जैन झांझरी नरेंद्र छाबड़ा विनोद झांझरी चंद्र प्रकाश छाबड़ा नरेंद्र चांदवाड़ सुरेंद्र जैन वीरेंद्र जैन गदिया नरेंद्र शाह वीरेंद्र गदिया भैरव नगर समाज श्रेष्टि नरेंद्र कासलीवाल राजेंद्र बाकलीवाल चकवाडा वाले एवं युवा मंडल अध्यक्ष मनोज क'ला वह समाज के कई गणमान्य सम्मिलित थे। समिति अध्यक्ष राजेश काला ने बताया कि नवंबर माह में आने वाली अस्टानिका महापर्व पर माता जी के सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान धूमधाम से करवाने की स्वीकृति हेतु निवेदन किया गया ।समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि बगरू दिगंबर जैन समाज कार्यकारिणी ने गए हुए सभी महानुभावों का तिलक और माला पहन'कर सम्मान किया और माताजी ने भी अपनी मोन स्वीकृति देते हुए कुछ समय के लिए इंतजार करने का आशीर्वाद दिया '

उपसर्ग विजेता झांकी द्वारा बताया गया जैन मुनियों की कठिन तपश्चर्या

जयपुर. शाबाश इंडिया

महल योजना युवा मंडल द्वारा जैन मुनियों एवं तीर्थंकरों की कठिन तपश्या का सजीव वर्णन झांकी द्वारा बताया गया। समिति प्रवक्ता अभिषेक सांघी ने कहा कि हुंडावसर्पिणी काल में सुपार्श्वनाथ, पार्श्वनाथ एवं महावीर भगवान तथा मांगतुंग आचार्य सुकुमार मुनि आदि भीषण उपसर्ग परिषय सहते हुए भी अपने एवं जगत के कल्याण हेतु मोक्ष मार्ग से नहीं डिगे। महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता बड़जात्या एवं मंत्री मोना जैन ने बताया की पारसनाथ

भगवान पर कमठ तथा महावीर भगवान पर संगम ने भयंकर उपसर्ग किए थे। युवा मंडल मंत्री धीरेंद्र एवं कोषाध्यक्ष नमन ने बताया की मानतुंग आचार्य ने भक्तामर जैसे कालजई स्त्रोत की रचना एवम् सुकुमाल मुनि ने भी अपने जीवन का उद्धार उपसर्ग सहते हुए ही किया था। झांकी के मुख्य अतिथि डॉ आशीष पायल जैन विशिष्ट अतिथि महावीर उषा किरण गोयल, दीपक रितु बोहरा रहे। मंदिर प्रबंधन कारिणी समिति ने आमंत्रित सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। झांकी कार्यक्रम में डॉ निर्मला संघी, विशाल बिलाला, आयुष गंगवाल, महेंद्र मित्तल, देवेंद्र अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

सनातन ही वह धर्म जिसमें होता बेटियों का देवी के समान पूजनः ठाकुर

जिनके जीवन में संतों का सानिध्य मिल जाता है उनका जीवन बदल जाता है...

शांतिदूत पं. श्रीदेवकीनंदन ठाकुरजी महाराज के मुखारबिंद से भागवतकथा श्रवण के लिए उमड़े भीलवाड़ा वासी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वह मूर्ख है जो कहते है सनातन धर्म में स्त्रियों का सम्मान नहीं होता है। सनातन ही वह महान धर्म है जिसमें बेटियों को देवी मान पूजन किया जाता है। इतिहास गवाह है कि रामायण, महाभारत सहित सनातन संस्कृति से जुड़े सभी बड़े युद्ध स्त्री सम्मान की रक्षा के लिए हुए। हमे अपने धर्म की रक्षा करनी है ओर उसके प्रति गर्व का भाव रखना है। ये विचार परम पूज्य शांतिदूत पं. श्रीदेवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने सोमवार दोपहर शहर के आरसी व्यास कॉलोनी स्थित मोदी ग्राउण्ड में विश्व शांति सेवा समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव के दूसरे दिन कथा में व्यक्त किए। दूसरे दिन कपिल देवहूति संवाद, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र प्रसंगों की चर्चा की गई। कथा श्रवण के लिए शहरवासियों के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी भक्तों सैलाब मोदी ग्राउण्ड में उमड़ पड़ा। विश्व शांति की कामना के साथ श्रीमद् भागवत कथा का वाचन शुरू करते हुए ठाकुरजी ने कहा कि जिनके जीवन में संतों का सानिध्य मिल जाता है उनकी जिंदगी बदल जाती है। श्रेष्ठ कुल में जन्म लेने पर श्रेष्ठ कर्म अवश्य करने चाहिए। भागवत कथा श्रवण से केवल परमात्मा ही नहीं आपके वह पितृ भी प्रसन्न होते है जो अब इस लोक में नहीं है। भागवत वेद रूपी वृक्ष का पका हुआ ऐसा फल है जिसमें त्याग करने योग्य कुछ नहीं होकर सब कुछ ग्रहण करने योग्य है। मनुष्य जीवन ही वह गति है जो हमारे लिए मोक्ष का द्वार है। भगवान की भक्ति मुक्ति की कामना से होनी चाहिए। भागवत के सम्पूर्ण श्रवण का लाभ किसी जन्म के पुण्य से ही मिल पाता है। जिन्होंने सात दिन सच्चे मन से कथा श्रवण कर ली उनका ऐसा कोई कार्य नहीं है जो गोविन्द नहीं कर सके। आयोजन समिति के अध्यक्ष आशीष पोरवाल ने बताया कि दूसरे दिन व्यास पीठ की सुबह की आरती हनुमान टेकरी के महंत श्रीबनवारीशरण काठियाबाबा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरिवल्लभ खत्री, प्रभुलाल शिवलाल खोईवाल, रामपाल हनुमान खींची, अमित टांक, एडवोकेट गोपाल अजमेरा, कैलाश आगाल, जगदीशजी रामेश्वरजी खण्डेलवाल, लीलादेवी नौलखा, अल्पना कचोलिया, अंजना शर्मा, शिल्पा काष्ट, संतोष दरक, भावना पोरवाल, सविता खण्डेलवाल एवं वेदिका सोनी ने की। इसी तरह शाम की आरती महन्त बनवारीशरणजी काठियाबाबा के साथ सीलिकरामजी महाराज, मुकेश शर्मा, पुरूषोत्तम कोगटा, श्रीमती मूर्तिदेवीजी, श्री सुरेश पोरवाल, जगदीश दरक, शिवनारायण दरक, विद्यासागर दरक, एडवोकेट रामपाल शर्मा, अहमदाबाद निवासी रंजना कोठारी आदि ने कर व्यास पीठ पर विराजित देवकीनंदनजी ठाकुर से आशीर्वाद प्राप्त किया।

रोटरी क्लब जयपुर नार्थ द्वारा पांच जिम मशीन लगाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर नार्थ द्वारा सामाजिक कार्य के तहत सेक्टर 2 झूलेलाल मंदिर के गार्डन में शॉपिंग सेंटर के पास मालवीय नगर में पांच जिम की मशीन लगाई गई ।यह मशीनें समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डॉक्टर अर्चना शर्मा के सानिध्य

में लगाई गई। जिससे लोगो का स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के सचिव अनिल जैन ने बताया की मशीन के उपकरणों से पूरे शरीर की मांस पेशियों का सही तरीके से व्यायाम इन उपकरणों सेआसान रहता है । इस अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के पदाधिकारी एवं सेक्टर 2 मालवीय नगर के सदस्य गण गजेंद्र सिंह राठौड़, रमेश जैन, अनिता जैन , विपुल गर्ग, रमेश मोटवान व कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मारुति स्टेट में वात्सल्य सेवा समिति की सदस्यों ने शिविरार्थी को कराया आहार

आगरा. शाबाश इंडिया

मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में 30वाँ संस्कार शिविर का आयोजन एम.डी. जैन इंटर कॉलेज में बड़ी भव्यता के साथ किया जा रहा है। जिसमें देश-विदेश से हजारों की संख्या में आए हुए महाराज के परम शिविरार्थी ने अपनी उपस्थिति दर्ज की है। सभी भक्तजन संस्कार शिविर के निदेर्शों का पूर्णता पालन पर अपने को सौभाग्य शाली महसूस कर रहे हैं और उनको ऐसा प्रतीत हो रहा है,जैसे कि हम समवशरण में बैठे हैं और जिनवाणी मां का रसपान कर अकल्पनीय सुख का अनुभव कर रहे

हैं। इसी क्रम में वात्सल्य सेवा समिति अवधपुरी द्वारा प्रतिदिन आदर पूर्वक शिविर में आए हुए 25 अतिथियों के लिए शुद्ध भोजन की व्यवस्था की गई है इसके लिए पूरी टीम लगी हुई है। नरेंद्र जैन कुशलता से अतिथियों को लाने एवं लेजाने का कार्य कर रहे हैं। शिविर के समाप्त होने तक यह कार्य चलता रहेगा। वात्सल्य सेवा समिति की अध्यक्ष रश्मि जैन ने सभी के सहयोग के लिए पूरी टीम का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

सीकरी जैन मंदिर में युवा परिषद् द्वारा हुई खुल जा सिम-सिम प्रतियोगिता

सिकरी. शाबाश इंडिया। जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व के सातवें दिन उत्तम तप धर्म मनाया गया। इस अवसर पर शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रकाशचंद अनिल जैन परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर समाज के सभी धर्मावलंबियों ने बड़े धूमधाम से उत्तम तप धर्म की पूजन की। इसके अलावा रविवार शाम को मंदिर में सुगंध दशमी के उपलक्ष्य में धूप चढ़ाई गई व अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् सीकरी द्वारा खुल जा सिम-सिम प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। युवा परिषद् के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान व सम्यक चरित्र नाम से तीन द्वार बनाए गए जिनमें से प्रतियोगी को किसी एक द्वार का चयन करना होता जिसे खुल जा सिम सिम बोलने पर खोला जाता और उसके अंदर रखी हुई वस्तु प्रतियोगी को दे दी गई। इसमें विजेताओं को ओमप्रकाश गर्वेश जैन द्वारा पुरस्कृत किया गया।

दशलक्षण पर्व में उत्तम तप धर्म की पालना की

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया।

सीकर। दशलक्षण पर्व के सातवें दिन सोमवार को जैन धर्मावलंबियों ने उत्तम तप दिवस को अंगीकार कर इस धर्म को पालन करने का संकल्प लिया। इस दौरान समस्त जिनालयों में विधानों का आयोजन किया गया ।जैन धर्म अनुसार 12 प्रकार का तप माना गया है। इनमें छह अंतरंग तप

होते हैं और छह बहिरंग तप होते हैं। अंतरंग तप में एक तप का नाम विनय है। दीवान जी की नसियां में अपने मंगल प्रवचनों में ब्रह्मचारिणी बबीता दीदी ने बताया कि अपने से अधिक गुण वालों के प्रति विनम्रता का भाव होना तप कहा गया है। जिस प्रकार से सोने को तपाकर आभूषण बनाए जाते हैं, उसी प्रकार तप के माध्यम से आत्मा को परमात्मा बनाया जाता है। आत्मा से परमात्मा बनने की प्रक्रिया तप है। बड़ा मंदिर कमेटी के संतोष बिनायक्या व अभिनव सेठी ने बताया कि बड़ा मंदिर जी में शांतिधारा विपिन टोंग्या , अनिल जैन व दंग की नसियां में शांतिधारा महावीर महालजीका, सुनील बिनायकया, अशोक अजमेरा परिवार द्वारा की गई । देवीपुरा जैन मंदिर कमेटी के पदम पिराका व मंत्री पंकज दुधवा ने बताया कि प्रातः मंदिर जी में शांतिधारा भागचंद नरेश कुमार कालिका परिवार द्वारा की गई। प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि मंगलवार को सांयकाल सकल जैन समाज के तत्वाधान में दीवान जी की नसियां में मान स्तंभ के समक्ष महा आरती का आयोजन ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी व बबीता दीदी के सानिध्य में किया जाएगा।

तप के बिना कुछ भी नहीं मिलता: आचार्य विवेक सागर महाराज

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर. शाबाश इंडिया

सोमवार दसलक्षण पर्व के सातवें दिन उत्तम तप धर्म पर गोधों की नसियां में आचार्य विवेक सागर महाराज ने प्रवचन में कहा संसार में तप के बिना कुछ नहीं मिलता, सांसारिक वस्तुओं की कामना को लेकर जो तप करता है, वह मिथ्या तप है, विषय कषायो का निग्रह करके छह अंतरंग, छह बहिरंग कुल 12 प्रकार के तप को चित्त लगाना उत्तम तप धर्म है. जिस प्रकार पत्थर से सोना बनने के लिए उसे 16 बार आग में तपना पड़ता है, उसी प्रकार आत्मा से परमात्मा बनने के लिए कठिन तप करना होता है।

संगीतमय उत्तम तप धर्म की विधान पूजन में मंगल कलश स्थापना

आचार्य महाराज के सानिध्य में सोमवार को प्रातः गोधों की नसियां में जिनेन्द्र अभिषेक, शांतिधारा तत्पश्चात संगीतमय नित्य नियम व उत्तम तप धर्म की पूजन में विधान के सोधर्म इन्द्र - इन्द्राणी के रूप में विराजित गणपत - डा. मिनाक्षी ने मांडले पर मंगल कलश स्थापना,अर्घ्य समर्पित,आचार्य महाराज के पाद प्रक्षालन,शास्त्र भेंट आदि मांगलिक क्रियाए सम्पन्न की। समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल,कोमल लुहाड़िया, नरेन्द्र गोधा,लोकेश ढिलवारी ने इनका अभिनन्दन पत्र देकर स्वागत किया।

भक्ति नृत्य प्रतियोगिता में 45 बालिकाओं ने दी प्रस्तुति

पदम चन्द सोगानी ने बताया दसलक्षण महापर्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत सोमवार रात्रि साधर्मी जनो से खचा खच भरे छोटा धड़ा नसियां के आदिनाथ निलय में विशाल मंच पर दो ग्रुप की कुल 45 बालिकाओं ने जैन भजनों पर सुन्दर भक्ति नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रत्येक नृत्य पर तालियों के गड़गड़ाहट से हाल गूंज रहा था,सांस्कृतिक मंत्री ललित पाण्डया,सहयोगी गौरव लुहाड़िया व निर्णायक मंडल के मानसी जैन,मीनाक्षी मंगल व

अर्जुन ने सभी प्रतियोगियों को भक्ति नृत्य की प्रस्तुति के लिए ढाई मिनट का समय दिया गया,भक्ति नृत्य प्रतियोगिता में अंकित पाटनी व लोकेश ढिलवारी ने मंच संचालन किया।

मंगलवार को तृतीय ग्रुप की होगी भक्ति नृत्य प्रतियोगिता

पदम चन्द सोगानी ने बताया मंगलवार को छोटा धड़ा नसियां में तृतीय ग्रुप की भक्ति नृत्य प्रतियोगिता का कार्यक्रम होगा। पदम चन्द सोगानी ने बताया इसी दिन तीनों ग्रुप की प्रतियोगिता का निर्णायक मंडल की मानसी जैन, मीनाक्षी मंगल व अर्जुन द्वारा परिणाम घोषित किया जाएगा, विजय - टपसा लुहाड़िया द्वारा तीनों ग्रुप के प्रथम स्थान को सोने सिक्का, द्वितीय व तृतीय स्थान एवं सांत्वना पुरस्कार में सभी को चांदी के सिक्के पुरस्कार स्वरूप प्रदान करगे।

त्रिवेणी नगर जैन मंदिर में उत्तम तप पर्व धर्म मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर में दशलक्षण महापर्व पर सोमवार को उत्तम तप पर्व भक्तिभाव से मनाया गया । इससे पूर्व प्रातः भगवान के प्रथम अभिषेक व शांतिधारा का सौभाग्य महावीर-गौरव कासलीवाल रतनलाल -राकेश छाबड़ा परिवार को मिला । नरेश कासलीवाल ने बताया कि रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत दीप प्रज्जलन समाजसेवी मनोज-मोनिका टोंग्या परिवार द्वारा किया गया । तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता व धार्मिक डांस श्रीमती बबिता लुहाड़िया , वंदना अजमेरा के संयोजन में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया । बच्चों को पारितोषिक अखिलेश-सरोज देवी बज द्वारा दिया गया । **संकलन : नरेश कासलीवाल**

नेमीसागर कालोनी में उत्तम संयम धर्म मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व में उत्तम संयम धर्म की पूजन की गई। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि सांयकाल मे एलक श्री धैर्य सागर महाराज द्वारा लिखित पुस्तक लव केमिस्ट्री पर आधारित नाटक ' बड़े धोखे है इस राह में' का मंचन किया गया। तपन भट्ट द्वारा लिखित नाटक का निर्देशक अजय जैन ने किया। नाटक के पुण्यार्जक श्रीमती सुमनलता, प्रदीप, खुशबू, किसना , निहाल सोगानी एवं परिवार पी के सेल्स खातीपुरा वाले थे। कार्यक्रम में मुख्य अथिति उमराव सांघी थे। पूजन स्थापना निर्मल गोदिका द्वारा की गई। कार्यक्रम में जैन समाज के गणमान्य व्यक्ति तथा काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दुर्गापुरा में हुआ नवयुवक मंडल का गठन

जयपुर. शाबाश इंडिया

25 सितंबर को श्री चंद्रप्रभु नवयुवक मंडल,दुर्गापुरा का गठन किया गया एवम्-समाज बंधुओ, ट्रस्ट कमेटी एवम महिला मंडल के बीच शपथ ग्रहण हुआ जिसमें निम्न पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। संरक्षक विरेन्द्र काला, अध्यक्ष मनीष सेठी(केकड़ी), कार्याध्यक्ष वैभव काला(चंदलाई) उपाध्यक्ष सुनील चांदवाड़,अनुज जैन , मनोज कासलीवाल, मंत्री राहुल जैन ,कोषाध्यक्ष आशीष जैन(सांवरिया) सयुक्त मंत्रीसंदीप वैद,संघठन मंत्री प्रमोद जैन, सांस्कृतिक मंत्री विनीत गंगवाल प्रचार मंत्री अमित पाटनी, कार्यकारिणी सदस्य मनोज सोगानी(पहाड़ी वाले), रवि गौधा,तेजेंद्र सोगानी, 5रवि सोनी, आशीष बाकलीवाल, विकास जैन, सिद्धार्थ बड़जात्या, मनन जैन, **सलाहकार** :- दीपक बाकलीवाल, अनिल चांदवाड, आलोक पाटनी